भारत सरकार

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

मौखिक प्रश्न सं.*317

जिसका उत्तर 24.03.2022 को दिया जाना है

आर्थिक गलियारे का विकास

***317.** श्री भर्तृहरि महताब:

क्या सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का विचार क्षेत्र की कारोबार संभावना को ध्यान में रखते हुए ओडिशा राज्य में जगतसिंहपुर जिले के पारादीप से लेकर केन्दुझर जिले के बड़बिल तक एक विशेष आर्थिक गलियारे का निर्माण करने का है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा उपरोक्त गलियारे का निर्माण कार्य कब तक पूरा किए जाने की संभावना है;

(ग) गत तीन वर्षों और वर्तमान वर्ष के दौरान राज्य में राष्ट्रीय राजमार्गों (एनएच) से संबंधित चालू/लंबित/पूरी हो चुकी परियोजनाओं तथा इस प्रयोजनार्थ आबंटित, संस्वीकृत एवं उपयोग में लाई गई धनराशि का ब्यौरा क्या है;

(घ) सरकार द्वारा लंबित परियोजनाओं को निर्धारित समयावधि के भीतर पूरा करने हेतु क्या कदम उठाए गए हैं/ उठाए जा रहे हैं;

(ड.) उक्त अवधि के दौरान राज्य में राष्ट्रीय राजमार्गों के रूप में बदले गए राज्य राजमार्गों का ब्यौरा क्या है; और

(च) सरकार द्वारा राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण की गुणवत्ता एवं उनके रखरखाव कार्य की निगरानी एवं जांच करने हेतु स्थापित किए गए तंत्र का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री
(श्री नितिन जयराम गडकरी)

(क) से (च) एक विवरण सभा-पटल पर रखा गया है।

'आर्थिक गलियारे का विकास' के संबंध में श्री भर्तृहरि महताब द्वारा पूछे गए दिनांक 24.03.2022 के लोक सभा मौखिक प्रश्न सं. *317 के भाग (क) से (च) के उत्तर में उल्लिखित विवरण

(क) और (ख) जगतसिंहपुर जिले के पारादीप से क्योंझर जिले के बाराबिल तक के गलियारे का विवरण नीचे दिया गया है:

(i) पारादीप - चंडीखोल: यह खंड पहले से ही 4-लेन का है। पारादीप से चंडीखोल तक के खंड को 8 लेन का बनाने का व्यवहार्यता अध्ययन/विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) शुरू कर दी गई है।

(ii) चंडीखोल से पनिकोली: यह खंड पहले से ही 4-लेन का है। 6 लेन के विन्यास में उन्नयन कार्य अग्रिम चरण में है और इसे 30.06.2022 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

(iii) पनीकोइली से रिमुली: यह सड़क पहले से ही 4-लेन की है।

(iv) रिमुली-भद्रसाही (बाराबिल के पास): यह खंड रिमुली-कोएडा खंड का हिस्सा है, जिसमें 4-लेन लगभग पूरी हो चुकी है।

उपरोक्त के अलावा, एक वैकल्पिक खंड अर्थात् चंडीखोले-दुबुरी-क्योंझर की स्थिति निम्नानुसार है:

(i) चंडीखोले-दुबुरी: इस खंड में 4 लेन का काम शुरू कर दिया गया है और ब्राहमणी नदी पर पुल को छोड़कर, इसे 31.03.2023 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। ब्राहमणी नदी पर पुल के निर्माण का कार्य बोली चरण में है।

(ii) दुबुरी-क्योंझर: डबरी से क्योंझर तक को 4-लेन का बनाने के लिए डीपीआर शुरू कर दी गयी है।

(ग) ओडिशा राज्य में चल रही और पूरी हो चुकी राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) परियोजनाओं का विवरण नीचे सारणीबद्ध है:

चरण	**परियोजनाओं की संख्या**	**लंबाई (किमी)**	**लागत (करोड़ रु.में)**
फरवरी 2022 तक चल रही परियोजनाएं	49	1968	17,963
पिछले 3 वर्षों के दौरान पूरी की गई परियोजनाएं	37	1345	7,667

पिछले तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान ओडिशा राज्य में राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास के लिए आवंटित और उपयोग की गई धनराशि नीचे सारणीबद्ध है:

एजेंसी	वर्ष	आवंटन (करोड़ रु. में)	व्यय/उपयोग (करोड़ रु. में)
राज्य पीडब्ल्यूडी	2018-19	906	879
	2019-20	561	516
	2020-21	737	727
	2021-22 फरवरी, 2022 तक	757	688
एनएचएआई	2018-19	एनएचएआई के माध्यम से निष्पादित परियोजनाओं के लिए कोई राज्य-वार निधि आवंटन नहीं है	1,887
	2019-20		3,130
	2020-21		3,895
	2021-22 फरवरी, 2022 तक		2,700

(घ) परियोजनाओं को निर्धारित पूर्णता तारीख के भीतर पूरा करने के लिए सभी हितधारकों के साथ विभिन्न स्तरों पर नियमित बैठकें आयोजित की जाती हैं। इसके अलावा, केंद्र और राज्य सरकारों के संबंधित विभागों के साथ निर्माण पूर्व कार्य-कलापों की लगातार निगरानी की जाती है, ताकि बाधाओं को दूर किया जा सके और उन्हें जल्दी से पूरा किया जा सके।

(ड.) उक्त अवधि के दौरान ओडिशा राज्य में 465.86 किलोमीटर नए राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित किए गए हैं।

(च) प्राधिकरण अभियंता/स्वतंत्र अभियंता द्वारा अनुबंध/रियायत करार, लागू मानकों और विशिष्टताओं के प्रावधानों के अनुसार निर्माण और रखरखाव कार्यों की गुणवत्ता की जांच की जाती है। फील्ड अधिकारियों द्वारा गुणवत्ता के मुद्दों की निगरानी और सत्यापन भी किया जाता है।

*****